



CO-SPONSORED BY  
Ministry of Steel  
Ministry of Mines  
Ministry of External Affairs  
Council of Scientific & Industrial Research  
GOVERNMENT OF INDIA

12<sup>th</sup> International Exhibition & Conference

29 - 31 AUGUST 2018 PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI, INDIA

CO-LOCATED SHOWS



# MEDIA COVERAGE



## INDIAN STEEL AND METAL INDUSTRY TO SEE A BRIGHT FUTURE

Response.Mumbai  
@timesgroup.com



2018 exhibition and conference was inaugurated in the presence of the Union Minister of Steel, government officials, trade bodies and the eminent leaders from steel, metal, manufacturing industry.

"With the passage of two important policies – National Steel Policy 2017 and Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products – by the Government of India, important concerns like en-

hancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. And hence, at this juncture, platforms like MMMM provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way for-

ward to achieve the future growth avenues for the industry," said Dr Bhaskar Chatterjee, secretary general and executive head of Indian Steel Association.

The platform is all set to showcase latest technologies and development in the industry. The event covers vast segments such as Automation and Instrumentation, Environment, Geology and Mining related services, Handling and Processing, Gears and Motors, Heat Treatment and Furnaces, Lubricants, Metallurgy Equipment Suppliers, Mineral Development Corporations, Steel Producers, Transportation and Logistics, and more.

India is expected to become the second largest steel producer in the world based on its increased capacity and upcoming demand owing to the rising infrastructure construction and the thriving automobile and railways sectors. It is said that the new steel policy that was approved by the Union Cabinet last year is expected to boost India's steel production. India is expected to overtake Japan to become the world's second largest steel producer, and has envisaged achieving 300 MT of annual steel production capacity by 2030.

In order to aid this growth further, the MMMM 2018 and co-located shows are expected to facilitate exchange of new ideas, sharing of information on the latest development in technologies, systems and equipment in the areas of metals, metal working and forming, materials and metallurgy, thus enabling companies in modernization and upgradation of plants and achieve higher efficiency levels.

The 12th MMMM

एमएमएमएम का 12 वां संस्करण 29 अगस्त से नई दिल्ली। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन 2018 का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीआई के निदेशक संजीव बत्रा - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेंगा।

एमएमएमएम का उद्घाटन अगस्त को जयपुर। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीआई के निदेशक संजीव बत्रा - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

खनिज मंत्रालय | Economy | Infrastructure | MMMM-2018 29 से होगा शुरू, स्टील सेक्टर की चुनौतियों पर होगी चर्चा

### MMMM-2018 29 से होगा शुरू, स्टील सेक्टर की चुनौतियों पर होगी चर्चा

मिनरल, मेटल, मेटल विज्ञान और मेटैरियल्स पर इंटरनेशनल एग्जीबिशन और कन्वेंशन की शुरुआत बुधवार को प्रगति मैदान में होगी

Money Showbiz | 31 अगस्त 2018 | August 30, 2018 04:58 PM IST



नई दिल्ली। मिनरल, मेटल, मेटल विज्ञान और मेटैरियल्स (MMMM) पर इंटरनेशनल एग्जीबिशन और कन्वेंशन की शुरुआत बुधवार से प्रगति मैदान में होगी। स्टील मिनिस्टर चौधरी बिरेन्द्र सिंह इस एग्जीबिशन की शुरुआत करेंगे। इस मौके पर सेक्टर से जुड़ी मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा भी की जाएगी।

#### 12 हजार डॉलर से अधिक व्यापार की संभावना

आईटीआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि दो साल बाद यह आयोजन किया गया है, जिसमें कोई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। सरकार सरकार की दीर्घकालिक नीतियों पर विचार से चर्चा की जाएगी। इसमें सभी स्टेक होल्डर्स शामिल होंगे, जो अपनी अपनी बात रखेंगे। बत्रा ने कहा कि उम्मीद है कि इस एग्जीबिशन में 12 हजार डॉलर से अधिक का व्यापार होगा, जबकि 1000 से अधिक विदेशी निवेशक इस एग्जीबिशन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत जिन 18 मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की पहचान की गई है, उन्हीं में लगभग 9 सेक्टर में स्टील की श्रृंखला है, इसलिए सरकार को स्टील सेक्टर पर विशेष फोकस करना चाहिए।

#### 15 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक कंपनियों MMMM-2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्या स्तरीय भागीदारों के अलावा देह-रत्न के चीन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, स्पेन, ब्रिटेन और यूएसए से की भागीदारी होगी। 7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल मिशन के अख्तियारों के लिए MMMM-2018 पर भी अपेक्षाएं हैं।







NBT | बिज़नेस ET | बिज़नेस न्यूज़ | शेयर बाजार | कमाए-बचाए | प्रॉपर्टी | इनकम टैक्स | क्रमोडिटीज़

## नवभारत टाइम्स

बिज़नेस न्यूज़

How to have a healthy and energetic married life after 45.

Hindi News | Business | Business News in Hindi | Steel Minister Will Inaugurate Exhibition Organized On Minerals

### इस्पात मंत्री करेंगे खनिज, धातु, धातु विज्ञान पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन

एक आर्टिकल एजेंसी फीड से जोड़ें-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated Aug 27, 2018, 03:45PM IST

[SUBSCRIBE NEWSLETTER](#)

Do you like part time income of 10k-15k rupees?

Career Times



By CareerTimes | VIEW MORE

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर (भाषा) इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री (एमएमएमएम) पर राजधानी में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का 29 अगस्त को उद्घाटन करेंगे।

इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपोजिशन इंडिया (आईटीईआई) और मिनिरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी मैटीरियल्स एक्सपो.कॉम (एमएमएमएमएम) द्वारा आयोजित इस औद्योगिक प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के 12वें संस्करण में देश विदेश की

कंपनियां और नीति निर्माता शामिल होंगे। इस प्रदर्शनी का आयोजन इस्पात मंत्रालय के साथ, खान, पृथ्वी विज्ञान, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग, भारी उद्योग एवं लोक उपकरण तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्रालय के अलावा वैज्ञानिक एवं अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया जा रहा है।

आयोजनकी की आज यहाँ जारी एक विज्ञापित के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 29-31 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका समेत 15 देशों के 400 से अधिक कंपनियां शामिल होंगी।

इसके अलावा खनिज संसाधन से समृद्ध झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक तथा गुजरात जैसे राज्यों की भी इसमें भागीदारी होगी। इस आयोजन में अमेरिका की प्रमुख नीति चर्चा का विशेष विषय हो सकती है। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि अमेरिका ज्ञान, ब्राजील और स्पेन के धातु उद्योग के प्रति नरमी दिखा रहा है लेकिन भारत के मामले में कोई नरमी नहीं दिख रही है।

प्रदर्शनी में सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश अवसर तलाशने के लिये प्रदर्शनी में शामिल होंगे। इस दौरान सरकार के प्रतिनिधि देश और विदेश के इस्पात उद्योगों के प्रमुखों के साथ क्षेत्र के सम्बन्धी मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

भाषा रमण मनोहर

### खनिज धातु पर प्रदर्शनी बुधवार से, 400 कंपनियां जुटेंगी

ANS | UPDATED: 27.08.18

अभी - अभी 2 मिनट

नई दिल्ली, 27 अगस्त (आईएनएस) | खनिज धातु, धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा। इसमें 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। यहाँ जारी एक बयान के अनुसार, प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।

बयान के अनुसार, खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात से राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा देश-दर-देश के चीन, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी होगी। सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में आएंगे।

बयान के अनुसार, एमएमएमएम 2018 इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के समर्थन से आयोजित किया जा रहा है।

इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्सपोजिशन (आईटीईआई) के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा, हमें आशा है कि सरकार दीर्घकालिक स्वस्थ और सकारात्मक पारिस्थितिक तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक घातक शक्ति रही है, और इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4-5 प्रतिशत योगदान है।

नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी।

ब्रिटेन स्टील एसोसिएशन के महासचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ. भास्कर षट्टर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आपूर्ण के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सुरक्षा में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने अत्यांत निर्भरता को कम करने और उचित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण चिंतनों को सामने आया है।

### खनिज धातु पर प्रदर्शनी बुधवार से, 400 कंपनियां जुटेंगी



Manoj Kumar | Photos: Aug, 27 2018 08:02:45 PM (IST) | Updated: Aug, 27 2018 08:02:45 PM (IST)

इस प्रदर्शनी में देश-विदेश का कंपनियां हिस्सा लेंगी।

नई दिल्ली। खनिज धातु, धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा। इसमें 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। बयान के अनुसार, खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात से राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा देश-दर-देश के चीन, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी होगी। सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में आएंगे।

#### ये मंत्रालय आयोजित कर रहे प्रदर्शनी

बयान के अनुसार, एमएमएमएम 2018 इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के समर्थन से आयोजित किया जा रहा है। इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्सपोजिशन (आईटीईआई) के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि हमें आशा है कि सरकार दीर्घकालिक स्वस्थ और सकारात्मक पारिस्थितिक तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

#### खनिज और धातु क्षेत्र का लीडरों में 4-5 फीसदी योगदान

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक घातक शक्ति रही है, और इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4-5 प्रतिशत योगदान है। नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी। ब्रिटेन स्टील एसोसिएशन के महासचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ. भास्कर षट्टर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार और से दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आपूर्ण के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सुरक्षा में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने अत्यांत निर्भरता को कम करने और उचित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण चिंतनों को सामने लेकर आया है।

## प्रगति मैदान में होगा एमएमएमएम 2018

संघादवाला (दिल्ली) खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह इस्पात मंत्री वैश्विक इस्पात नेताओं और भारत इस्पात उद्योग के कर्तव्यों के साथ मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देश-भर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस फिनलैंड जर्मनी इटली लूस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से भी भागीदारी होगी। 7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निदेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारती उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई आर के अलावा सुझम लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सहप्रयोजित है।

इन नोट पर संजीव बत्रा निदेशक- आईटीईआई ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह अवसर हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आईटीईआई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक परिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डंपिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के नेताओं उद्योगों परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा। यह उम्मीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 120000 से अधिक व्यापार आगंतुक और 10000 विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिष्ठितों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहुंचाने वाले काले लक्षण डी दर्जन देशों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीब्रांडिंग और लियिपम आधुनिकी पर एक विशेष सत्र होगा।

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक चालक शक्ति रही है इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पादका लगभग 4-5 प्रतिशत योगदान है। 2030 तक प्रतिवर्ष 300 मिलियन टन राष्ट्रीय इस्पात नीति के तहत को ध्यान में रखते हुए यह वर्षों से आगे बढ़ने की उम्मीद है। श्री नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में अधिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएशन के महा सचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ भास्कर चटर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण नीतियों के परिणाम होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और प्रेरण रूप से निर्मित आधुनिक के लिए कार्यक्षमता पर नीति और स्टील उत्पादक कच्चे मात्र की सुरक्षा में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने अत्यंत निर्भरता को कम करने और उचित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण नीतियों को सामने आया है। इस समय एमएमएमएम 2018 जैसे प्लेटफॉर्म हितधारकों के लिए अपने उद्देश्यों प्रोत्साहिकों और सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक समय पर अवसर प्रदान करते हैं।

Share on:

WhatsApp

f t g+

UNI BREVITY ACCURACY SPEED

## यूनीवार्ता

भारत की अग्रणी संवाद समिति

Tuesday, Sep 4 2018 | Time 14:37 Hrs(IST)

सबका स मजबूत 3

विकास यात्रा

### एमएमएमएम का उद्घाटन 29 अगस्त राजधानी में

नयी दिल्ली 27 अगस्त (वार्ता) खनिज, धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) का 12 वां संस्करण 29 अगस्त को राजधानी में प्रगति मैदान में शुरू होगा। इसके आयोजक आईटीईआई ने सोमवार को यहां जारी बयान में कहा कि तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी एवं सम्मेलन का इस्पात मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह उद्घाटन करेंगे और इस मौके पर देश विदेश के दिग्गज इस्पात उद्योगी मौजूदा रहेंगे। दो वर्षों के इंतजार के बाद आईटीईआई एमएमएमएम 2018 का आयोजन राजधानी में किया जा रहा है। इसमें एक हजार से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों सहित 12 हजार से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम में भाग लेंगे। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक और गुजरात के राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका की कंपनियां भी इसमें भाग लेंगी। शेखर वार्ता

बिज़नेस स्टैंडर्ड Business Standard

Tuesday, September 04, 2018 03:09 PM English | हिंदी

होम बाजार कंपनियां अर्थव्यवस्था मुद्रा विप्लव विरोध जिन

Smart-UPS

• Proactive issue resolution

• 24x7x365 support

• Save time with easy and convenient maintenance accessibility

Saves upto 2600\* per on your electricity

\*Based on India & US grid power

होम > > > खबर

### इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये उच्च ग्रेड मैंगनीज विकसित कर विचार कर रही मौपल

PTI | September 01, 2018

f t g+

नयी दिल्ली, 29 अगस्त (भाषा) सरकारी कंपनी मौपल वेटी के लिये उच्च ग्रेड मैंगनीज विकसित करने पर विचार कर रही है, जिसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों में किया जा सकता है। इस्पात मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह ने आज यह बात कही।

संबंधित खबरें

- एपी एंड सी के घंटे की भ्रष्टाचार का लघु आत्मचरित्र: पौड्या आयोग विज्ञापन धरमार्थ के लिए विश्व सज्जो
- ई बजट सहायता
- विद्यार्थी कल्याण मंत्री
- महिलाओं, बच्चों और अपसंख्यकों को लक्षित मंत्रालय तत्काल इस बजट में
- साफ्टवेयर पार्क की कर छूट की समाप्ति नहीं बढ़ाने की संभावना
- साफ कर्मियों के कारण मुद्रास्फीति अब भी सतक-निर्देशक

देश की सबसे बड़ी मैंगनीज अयस्क उत्पादक मौपल द्वारा यह अध्ययन ऐसे समय किया जा रहा है जब सरकार वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिये आक्रामक तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रहा है।

सिंह ने आईटीईआई द्वारा आयोजित खनिज एवं धातु क्षेत्र पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यह बात कही।

इस्पात मंत्री ने कहा कि हमारा ध्यान भारत की जरूरतों के आधार पर खादेखी तकनीकी और समाधान विकसित करने पर होना चाहिये। भाषा

## उद्घाटन 29 को जयपुर। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा।

### एमएमएमएम का उद्घाटन 29 को

लखनऊ। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी है कि आई टीई आई एमएमएमएम-18 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नई दिल्ली में 29-31 अगस्त को होगा। आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक परिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डंपिंग कर को बनाए रखी है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्योगों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर, बातचीत और नेटवर्क के लिए शानदार अवसर होगा।



## Business Standard

HOME MARKETS COMPANIES OPINION TECHNOLOGY SPECIALS PF PORTFOLIO ELECTIONS

Today's Paper Latest News Economy Finance Current Affairs International Management The Strategist

**JUST IN** RBI wants states to invest in sinking and guarantee funds mandatorily

You are here: [Home](#) » [Economy & Policy](#) » News



### Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, to inaugurate MMMM 2018 at Pragati Maidan, New Delhi on August 29

BS Reporter | New Delhi  
Last Updated at: August 28, 2018 13:00 IST



**REGISTER NOW!**



Beyond



Demand new standards for your heat exchangers

Discover how



Home > Companies And Markets

### Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

By FC Bureau , Tuesday, 28 August 2018

City: New Delhi

The Minister of Steel Chaudhary Birender Singh will hold discussions with global leaders and captains of India steel Industry on the current challenges at the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018 which will be inaugurated by the minister of Steel at Pragati Maidan on August 29, 2018.

It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel; Ministry of Mines; Ministry of Earth Sciences; Ministry of External Affairs; Ministry of Commerce & Industry; Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said finally after a wait of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at Pragati Maidan , New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining antidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMMM 2018 will witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under 'Make in India' program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries

T.V Narendran, CEO & Managing Director, Tata Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GDP. This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Shri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world.

Dr. Bhaskar Chatterjee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products", important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry.

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel, Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited.

## Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

City: New Delhi

The Minister of Steel Chaudhary Birender Singh will hold discussions with global leaders and captains of India steel industry on the current challenges at the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018 which will be inaugurated by the minister of Steel at Pragati Maidan on August 29, 2018.

It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel; Ministry of Mines; Ministry of Earth Sciences; Ministry of External Affairs; Ministry of Commerce & Industry; Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said finally after a wait of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at Pragati Maidan, New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining antidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMMM 2018 will witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under "Make in India" program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries

T.V Narendran, CEO & Managing Director, Tata Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GDP.

This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Shri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world.

Dr. Bhaskar Chatterjee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products", important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities,

reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry.

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel, Indian Steel Alliance, Mecor, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited.



## Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem



### बिज़नेस स्टैंडर्ड

Tuesday, September 04, 2018 00:00 AM CEST

---

होम
बाजार
संपत्ति
अर्थशास्त्र
पुस्तक
विश्लेषण
विशेष
विज्ञान
शैली
विदेश
वित्त
अपेक्षा

---

**खान-धातु क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम का उद्घाटन बुधवार को**

नया और धातु क्षेत्र में संबंधित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन (एमएमएमएम 2018) के 12वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को होगा। प्रथम मंदा में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन केन्द्रीय इस्पात मंत्री वीपी सिंह किराई करेंगे। इस अवसर पर इस्पात मंत्री भारतीय इस्पात उद्योग के प्रमुखों और विश्व के नेताओं के साथ मंचबद्ध वार्तालाप पर भी चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। दुनियाँ की अग्रणी इस्पात फ़ैक्ट्री, जर्मनी, दूरबी, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे प्रमुख देश भी शामिल हैं। कार्यक्रम में खनिज समृद्ध राज्य झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तरांचल, कर्नाटक और गुजरात भी शामिल होंगे। इसके साथ ही सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों का भी सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित होगा।

Google Chrome

Chrome Safe Browsing will protect you from malicious sites.

DOWNLOAD

---

आपका माता

क्या देखेंगे कि पिछले दिनों की बहनोई

किसी

नहीं

हो

बिज़नेस स्टैंडर्ड

Business Standard Hindi



## नवभारत टाइम्स

बिज़नेस न्यूज़

Make money every day with Copy/Paste tasks like Sameer

Ad: Career Times

Hindi News » Business » Business News in Hindi » Discussions Regarding The Power Agreement Between Bhuzhan Stl

## भूषण स्टील, भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली समझौते पर विचार विमर्श जारी: टाटा स्टील

यह आर्टिकल एजेंसी फीड से जॉइंट-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated Aug 29, 2018, 06:45PM IST



**5 Delhi bars on the list of every sports fan**

LiveInStyle

By Columbia

VIEW MORE

नयी दिल्ली, 29 अगस्त (भाषा) टाटा स्टील ने आज कहा कि भूषण स्टील और भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली खरीद समझौते पर विचार विमर्श जारी है। कर्ज बोझ तले दबी भूषण स्टील का टाटा स्टील ने अधिग्रहण किया है।

टाटा स्टील की ओर से यह बयान ऐसे समय आया जब इस तरह के समाचार आ रहे थे कि लागत कम करने के लिये भूषण स्टील और भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली खरीद समझौते को टाटा स्टील ने खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

टाटा स्टील के इस्पात कारोबार एवं गुणवत्ता प्रबंधन के अध्यक्ष आनंद सेन ने संवाददाताओं से कहा, "भूषण स्टील का एक अन्य कंपनी भूषण एनर्जी लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौता है। फिलहाल इस समय इस पर बातचीत चल रही है और अभी कुछ नहीं हुआ है। इनके बीच हुये अनुबंध को लेकर बातचीत चल रही है।"

उन्होंने यह बात आईटीईआई द्वारा खानिज एवं धातु क्षेत्र पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कही।

सेन ने कहा, "कंपनी महसूस कर रही है कि यह अनुबंध आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है इसलिए इसकी जांच की जा रही है और भूषण एनर्जी लिमिटेड के मालिकों से दोनों पक्षों के लिये लाभकारी अनुबंध पर चर्चा चल रही है।"

भूषण एनर्जी, भूषण स्टील लिमिटेड की अनुबंधी कंपनी है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या कंपनी ने बिजली समझौते को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है तो इस पर उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि बिजली खरीद समझौते को रद्द किया जा रहा है या नहीं, लेकिन इसके अनुबंध पर चर्चा चल रही है।"

# MEDIA COVERAGE

## Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

in Commodity News @ 29/08/2018



The 12th edition of the Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest such event in Asia, will be inaugurated by Minister of Steel Chaudhary Birender Singh at New Delhi's Pragati Maidan on Wednesday. The minister will also discuss the current challenges with global leaders and captains of India's steel industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It will have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, the UK and US, besides state-level participation from mineral-rich Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by the Union ministries of steel, mines, earth sciences, external affairs, commerce & industry, heavy industries and public enterprises, and micro, small & medium enterprises (MSME), besides the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

Sanjeev Batra, director, ITEI, said the industry was hoping the government would initiate a clear policy to encourage long-term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders.

Source: Business Standard



टाटा स्टील ने साफ किया किया भूषण एनर्जी के साथ करार पर बात जारी है। कंपनी के प्रेसिडेंट आनंद सेन के मुताबिक भूषण एनर्जी के साथ करार रद्द होने की जानकारी नहीं है। इसके साथ ही आनंद सेन ने थिसेनक्रुप जेवी और विस्तार पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि थिसेनक्रुप के साथ जेवी पर काम चल रहा है। कंपनी के कलिंगानगर प्लांट में विस्तार 2021 तक पूरा हो जाएगा। गुरुग्राम प्लांट में स्क्रैप प्लांट अभी शुरू नहीं हुआ है। कंपनी विस्तार योजना पर काम कर रही इसके लिए अधिग्रहण पर नजर बनी हुई है।

**Steel Baba**  
Business & Commodity News

HOME NEWS PRICES ADVERTISEMENT FAQ COMPANY SEND REQUEST FEEDBACK

### Post Details

#### धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विषेय जोन बनाने का उद्योग जगत का सुझाव

Aug 31, 2018 06:17 pm By Admin from Steel Business News

एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अंतर्गत बताया है। इसे नवभारतसमूह कॉर्पोरेशन ने एडिट किया है।  
नई दिल्ली: 30 अगस्त (भासा) कोलकाता और बंगलूर में के उद्योगों में वेब में प्रमुख धातु रीसाइक्लिंग उद्योगों को बधाई देने के लिए विषेय रीसाइक्लिंग जोन की घोषणा का सुझाव दिया है। उन्होंने इसे अधिक में कच्चे धातु, धातु और धातुओं की बढ़ती प्रचुरता को रोकने के उपायों का सुझाव दिया है।

Recommended By Colombia

एनएनटी के एनएनटी में धातु, कोलकाता और बंगलूर में के उद्योगों में वेब में प्रमुख धातु रीसाइक्लिंग उद्योगों को बधाई देने के लिए विषेय रीसाइक्लिंग जोन की घोषणा का सुझाव दिया है। उन्होंने इसे अधिक में कच्चे धातु, धातु और धातुओं की बढ़ती प्रचुरता को रोकने के उपायों का सुझाव दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत में अधिकांश धातु रीसाइक्लिंग उद्योगों के लिए विषेय जोन से सपोर्ट रीसाइक्लिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए।

कहा ने कहा कि एनएनटी-एनएनटी के उद्योगों में रीसाइक्लिंग उद्योगों को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। कहा ने एक अध्ययन का इस्तेमाल करते हुए कहा कि, एक टन धातु रीसाइक्लिंग 1.2 टन कोक, 0.7 टन कोकाल, 0.5 टन धातु धातु और 2.5 टन कोकाल से बचती है। इसके साथ ही प्रत्येक 2.1 टन कोक रीसाइक्लिंग को बचाने का मतलब है। धातु की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भी 50 प्रतिशत कमी होती है।

विश्वीय धातु रीसाइक्लिंग दिनांकिका के अनुसार, के उद्योगों में धातु रीसाइक्लिंग उद्योगों को बधाई देने के लिए विषेय जोन स्थापित किए जाने चाहिए। भारत में अभी धातु रीसाइक्लिंग उद्योगों की संख्या नहीं बढ़ी है। अभी इस्तेमाल हो रहे इस्तेमाल की रीसाइक्लिंग उद्योगों में 20-25 टन का धातु रीसाइक्लिंग है।

वेब में धातु रीसाइक्लिंग की बढ़ती के कारण धातु रीसाइक्लिंग उद्योगों को बधाई देने के लिए विषेय जोन स्थापित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में रीसाइक्लिंग उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाय तो यह 2030 तक बचाने योग्य उद्योग में 1+ प्रोडक्शन का योगदान कर सकता है और इस दौरान 1.4 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बढ़ाये हो सकती है। धातु रीसाइक्लिंग के कारण इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की भी बढ़ी संभावना है।

भासा  
नवभारतसमूह

# MEDIA COVERAGE

**ET MARKETS** Expert View

Gift your teacher an ET Prime Sul

**ETPrime** VISIT [www.etprime.com](http://www.etprime.com)

Home Markets Stocks IPOs/FPOs Markets Data Market Mags. Expert View Technicals Co.

Business News Markets Expert View By December end, we may become second largest steel producer in world: Chaudhary Birender Singh

03:11 PM | 28 SEP LIVE

5000	11,516	-45.25	30,265.00	-42.00	71.46	▲ 0.24
------	--------	--------	-----------	--------	-------	--------

## By December end, we may become second largest steel producer in world: Chaudhary Birender Singh

ET Now | Aug 29, 2016, 05:48 PM IST

Within a short span of time, by following the practice of Indian made steel for government projects, we have been able to save at least Rs 5000 crore, **Chaudhary Birender Singh**, Steel Minister, tells ET Now.

*Edited excerpts:*

### What is your overview on how the Indian steel sector is positioned right now and the return pricing power for Indian steel makers?

For about a year, there has been a turnaround. We were facing a lot of crisis about two years back. But now things are on the right track and the way steel industry is moving, I expect that the targets in our national policy of 2017 will be met. We have capacity for 300 million tonnes.

One more thing which is very important is we are making efforts to see that Make in India programme is successful and the equipment which has to be purchased to increase capacities, is available within our country. A lot of global producers, manufacturers of different machines, have showed interest in putting up their industry in India. That way, we would be able to save a lot of foreign exchange.

### India has been able to beat Japan and become the third largest steel producer in the world. Now we are seeing a lot of idle capacity being used thanks to NCLT. Do you believe India could in the near future attain the second spot in terms of steel production in the world?

In the first three months of this year, we got the position of second largest steel producer and we hope by the end of this financial year, rather by the end of December 2016, we may attain the position of second largest steel producer in the world.

Imports are back because for the April to June quarter, India became a net importer of steel and that too after many quarters of declining steel imports. Would you be worried because America has put up tariff barriers? Many are saying that steel from Korea and Japan is finding its way to Indian shores. Would you be worried?

We are all aware of this kind of happenings. At present, there is a marginal increase in imports but not to that level where we have to take some steps. We are watching the overall trend in the steel market.

We have seen Indian steel prices rise significantly over the last couple of weeks as iron ore prices have gone up as well. Would you look at the way iron ore major NMDC is pricing iron ore because the smaller steel makers are complaining of higher iron ore prices?

Steel is a deregulated sector. We do not have control over prices but still I have formed a task force to look into this aspect of NMDC raising prices. The report is almost ready. What I could say is in spite of this, there is no regulation or no authority to regulate prices.

Our mandate is very clear but I still think that for secondary steel, there should be some benchmark maybe for six or four months, so that secondary steel should not suffer on frequent fluctuation in prices. Anyway, first I have to look at the report and then we would see what kind of steps can be taken to ensure some periodical smoothness of pricing.

Would you be worried about this global trade war that is brewing between US and China and other countries as getting involved well? We in turn have FTAs with countries like Japan and Korea. Do you believe Indian steel making could get affected on account of this?

As far as America is concerned, our total import from US is 0.31%. But if America still imports 80 million tonne of steel from other countries and the tariff barrier is put there, then naturally those countries will be looking to dump their product. We were very careful on that account but at present there is no such situation where we can go for retaliatory measures.

Has India approached the US for any exemption from that tariff of 25% that has been imposed? Is there any communication with respect to that?

When they imposed these conditions, then commerce ministry did act on that. But we are not the only country, there are so many other countries who wanted that the balance of trade should be maintained and initially some response was also there. But for the time now, there is no such response from America. Let us see what is to be done.

One of the very interesting provisions of the national steel policy was that government project should use only Indian steel and this is a practice followed by a lot of other countries as well. We saw big rail order going to JSPL recently. So, is Indian infra now being built and structured by Indian steel?

Within a short span of time, we have been able to save at least Rs 5000 crore and there can be only two conditions: if somebody domestically is not in a position to give a required amount or a particular grade, then only import is allowed. Otherwise all the government agencies, PSUs and government departments have been told that it should be made clear in the tendering process that only Indian made steel would be given priority.

Business Standard

MARKETS COMPANIES IPO/DRIP TECHNOLOGY SPECIALS PF PORTFOLIO SELECT

Editorial Comment: Cybercrimes IS Special Business Law & Tax Launch IPO

**JUST IN** One dead, two injured in gas leak of Samsung chip plant

You are here: [Home](#) > [IT/Software](#) > [National](#) > News

## MOIL mulls developing high-grade manganese for electric vehicles

Press from India | New Delhi  
Last Updated on August 29, 2016 18:13 IST

Ad covered content Not interested in this ad Show this ad multiple times Already bought this

**ALSO READ**

- India must aim to become No. 1 quality steel producer: Min.
- Odisha has potential to produce 100 MT steel: Minister
- Steel ministry PSU to promote rural sports, games for differently-abled: Minister
- Centre keen to develop Kalinganagar as steel hub: minister
- Steel sector brought on track in four years: Steel Minister
- Ready to Move, 3 BHK Independent Floor @ Exclusive Price Deal
- Ready to Move, 3 BHK Independent Floor @ Exclusive Price Deal

State-owned MOIL, is looking to develop high-grade manganese for batteries which could be used in electric vehicles (EVs). **Steel Minister** Chaudhary Birender Singh said today.

The research by MOIL, the country's top manganese ore producer, comes at a time when the government is aggressively pushing for electric vehicles to curb air pollution.

Singh was speaking at an international conference on minerals and metal sector organised by ITEL.

"Our focus should be on indigenisation and developing technologies and solutions specific to needs of India," he said.

The power ministry had earlier said the government was considering providing subsidy for setting up e-vehicle charging infrastructure, under a policy.

However, **Power Secretary** A K Bhatia was of the view that it is a chicken and egg situation because charging stations would not be set up without enough e-vehicles and e-vehicle sales would not pick up unless there is enough facility to charge these vehicles.

With an aim to promote EVs, the government had launched Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric vehicles in India (FAME India) scheme in 2015.

As per the scheme, incentives would be offered on electric and hybrid vehicles of up to Rs 29,000 for bikes and Rs 1.38 lakh for cars.

Last week, Essel Infra projects said it was planning to invest Rs 1,750 crore in phased manner to set up electric vehicle charging and battery swapping infrastructure.

Singh also pointed out that in the metal sector, India was strengthening its position with every passing year.

About the steel sector, he said, it is a brilliant example of transformation and turnaround with the joint efforts of the government and the industry.

## Minister for Steel to inaugurate Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Conference

By Rakhi Mazumdar, ET Bureau | Aug 27, 2018, 04:52 PM IST



Minister for Steel, Chaudhary Birender Singh is set to inaugurate the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018) at Pragati Maidan on August 29, 2018. At the meet, a leading biennial international event for industry professionals, he is poised to discuss current challenges faced the industry with global leaders and captains of the domestic steel industry.

Platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for stakeholders to promote their products, technologies and services, Bhaskar Chatterjee, Secretary General, Indian Steel Association said. This is particularly true at a time when passage of two important policies by the steel ministry – National Steel Policy 2017 and Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products – have brought to the fore concerns like, enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade.

T V Narendran Tata Steel **NSE -0.77%** CEO said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world. While minerals and metals sector currently contribute around 4.5% of GDP, this is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of achieving a production of 300 million tonne per annum by 2030, he added.

"We hope that the government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. With the US government maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but scrapping it for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will offer a good opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders," Sanjeev Batra, Director- ITEI said. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries at the meet, which is likely to receive over 12,000 trade visitors and over 1,000 foreign investors and participants from across the globe.



HOME भारत - हज़रत - राज्य - प्रमुख मंडल - टेकनोलॉजी - शिक्षा - जनसंख्या - स्वास्थ्य

Home / अर्थ / अर्थव्यवस्था / इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रिकल

अर्थ

## प्रगति मैदान में होगा एमएमएमएम 2018

खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री वैश्विक इस्पात नेताओं और भारत इस्पात उद्योग के कप्तानों के साथ मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे।

15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देव-सुर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस क्विनलैंड जर्मनी इटली रूस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से की भागीदारी होगी।

7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निवेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई आर के अलावा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सहप्रयोजित है।

इस नोट पर संजीव बत्रा निदेशक- आईटीईआई ने कहा कि अंतरा 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपकों हमारे साथ साक्षा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आईटीईआई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नई दिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

यूनिफ़ॉर्म अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एटी टर्मि, याग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्माण निर्माताओं और उद्योग के नेताओं उद्योगों परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा।

यह उम्मीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000\$ से अधिक व्यापार आगंतुक और 1000\$ विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहराने जाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीसाइक्लिंग और लिथियम आयन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा।

Continued...

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक घातक शक्ति रही है इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सफल घरेलू उत्पादका लगभग 4-5 प्रतिशत योगदान है।

2030 तक प्रतिवर्ष 300 मिलियन टन राष्ट्रीय इस्पात नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह वर्षों से आगे बढ़ने की उम्मीद है। श्री नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएशन के महा सचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ भास्कर घटके ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आयर्न के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद काफ़ी मात की सुरक्षा।

में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने आयात निरवरोध को काम करने और उचित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण विधाओं को सामने आया है। इस समय एमएमएमएम 2018 जैसे प्लेटफॉर्म हिताधारकों के लिए अपने उत्पादों प्रौद्योगिकियों को सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक समय पर अवसर प्रदान करते हैं।

# MEDIA COVERAGE

English | App | Subscription | Specials

moneycontrol

Investo Mutual Fund

Home | News | Markets | Mutual Funds | Commodities | Startups | Cryptocurrency | Stocks | Products | Personal Finance | Portfolio | Personal | Live TV

Business | Markets | Stocks | Economic | Research | Mutual Funds | Personal Finance | Property | Auto | IPO | Politics | India | World | Technology | Markets | Commodities | Travel | Health

moneycontrol | Sign Up to Get Alerts with Our Special News | Subscribe to moneycontrol newsletter

MARKETS | News | News | Business

## MOIL mulls developing high-grade manganese for electric vehicles

"Our focus should be on indigenisation and developing technologies and solutions specific to needs of India," he said.

PTI  
@moneycontrolnews

State-owned MOIL is looking to develop high-grade manganese for batteries which could be used in electric vehicles (EVs). Steel Minister Chaudhary Birender Singh said today.



The research by MOIL, the country's top manganese ore producer, comes at a time when the government is aggressively pushing for electric vehicles to curb air pollution. Singh was speaking at an international conference on minerals and metal sector organised by ITEI.



"Our focus should be on indigenisation and developing technologies and solutions specific to needs of India," he said.

The power ministry had earlier said the government was considering providing subsidy for setting up e-vehicle charging infrastructure, under a policy.

### RELATED NEWS

**Punjab CM wants 6000 km roads, urges NDA for expansion of highways in state**

**India's January-August coffee exports flat at 2.62 lakh tonnes**

**One dead, two injured in gas leak at Samsung ship plant**

However, Power Secretary A K Bhatla was of the view that it is a chicken and egg situation because charging stations would not be set up without enough e-vehicles and e-vehicle sales would not pick up unless there is enough facility to charge these vehicles.

With an aim to promote EVs, the government had launched Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric vehicles in India (FAME India) scheme in 2015.

As per the scheme, incentives would be offered on electric and hybrid vehicles of up to Rs 29,000 for bikes and Rs 1.38 lakh for cars.

Last week, Essel Infra projects said it was planning to invest Rs 1,750 crore in phased manner to set up electric vehicle charging and battery swapping infrastructure.

Singh also pointed out that in the metal sector, India was strengthening its position with every passing year. About the steel sector, he said, it is a brilliant example of transformation and turnaround with the joint efforts of the government and the industry.

"Indian steel industry has come a long way since its downturn we are at the verge of becoming second largest steel producer in 2018," he added.

This article published on Aug 28, 2018 09:03 pm

# SmartInvestor.in

Advance

Live Markets

Companies

Personal Finance

Commodities

Portfolio

Tr

Market Statistics

News & Advice

Derivatives

IPO

Smart Charts

Commodities

Live Markets > News & Advice > Latest Stories > Latest Stories Details

## Latest Stories Details

Back

### Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

BS Reporter/New Delhi 28 Aug 18 | 12:56 PM

Tw G+

in Share

Share

Email this

Print

The 12th edition of the Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest such event in Asia, will be inaugurated by Minister of Steel Chaudhary Birender Singh at New Delhi's Pragati Maidan on Wednesday. The minister will also discuss the current challenges with global leaders and captains of India's steel industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It will have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, the UK and US, besides state-level participation from mineral-rich Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

### Related Stories

No Related Stories Found

Ad closed by Google

Stop seeing this ad

Why this ad? @

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by the Union ministries of steel, mines, earth sciences, external affairs, commerce & industry, heavy industries and public enterprises, and micro, small & medium enterprises (MSME), besides the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

**ALSO READ: Steel Ministry unveils sports policy, aims to groom Olympic medal hopes**

Sanjeev Batra, director, ITEI, said the industry was hoping the government would initiate a clear policy to encourage long-term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders.

# MEDIA COVERAGE

वैश्वीकरण News समाचार समाचार समाचार समाचार समाचार समाचार News

NBT विज्ञानस न्यूज विज्ञानस न्यूज खोज बाजार कमाएँ-बचाएँ जॉयटी इनकम टैक्स कमीडिटीज ईटी

## नवभारत टाइम्स

बिज्ञानस न्यूज

Make money every day with Copy/Paste tasks like Sameer



UNI United News of India India's Multi Lingual News Agency

Tuesday, Sep 4 2018 | Time 15:53 Hrs(IST)

Home News Photo Hindi Urdu About UNI Contact us JOBS TENDER

IFFCO



IIFL Search

Market News Ideas Mutual Funds Personal Finance Earnings Portfolio Watchlist Open Demat

Gold ₹ 30,130.00 +96.00 (+0.32%) Crude oil \$ 66.19 (0.00) ₹ 5,083.80 +71.00 (+1.42%) HCL Technologies ₹ 1,076.35 +27.20 (2.59%)

View Sector Metals, Mining & Minerals

Hindi News > Business > Business News in Hindi > Industry Suggestion For Making Special Zones For Recycling Of M

## धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विशेष जोन बनाने का उद्योग जगत का सुझाव

एक भारतीय एजेंसी कीय से जॉय-आवेक हुस है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टैग से एडिटेड नहीं किया है।  
भाषा | Updated Aug 30, 2018, 04:30PM IST



5 Delhi bars on the list of every sports fan

नई दिल्ली, 30 अगस्त (भाषा) खनिज और धातु क्षेत्र के जानकारों ने देश में पुरानी धातुओं की रीसाइक्लिंग (पुरानी धातु को पीसा कर नयी सामग्री बनाने) को बढ़ावा देने के लिए विशेष रीसाइक्लिंग जोन की स्थापना का सुझाव दिया है। उन्होंने इसे भविष्य में कच्चे माल, लेबल और प्रवींरस की बढ़ती चुनौती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है।

राजधानी के प्रसिद्ध मैदान में धातु, खनिज, सामग्री और धातु विज्ञान पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय

प्रदर्शनी एनएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के नए जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी को देखते धातु रीसाइक्लिंग उद्योग एक उत्साह विकसित हो सकता है। प्रदर्शनी की आयोजक इंटरनेशनल ट्रेड एंड एजिडिबिसिनास इंडिया (आईटीईआई) के विल निदेशक संजीव बर ने भाषा से कहा, 'कच्चे माल की कीमतों नयी कंपायायें वृ रही हैं, ऐसे में भारत में रीसाइक्लिंग धातु उद्योग की सफलता के लिए एक नयी कुंजी मानिय हो सकता है।'

उन्होंने कहा कि भारत में अमेरिका और चीन की तरह रीसाइक्लिंग इकायों के लिए 'विशेष रूप से सामग्री रीसाइक्लिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए।'

बना ने कहा कि एनएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रीसाइक्लिंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। बर ने एक अध्याय का हवाला देते हुए कहा कि, एक टन स्टील स्क्रैप की रीसाइक्लिंग 1.2 टन लौह अयस्क, 0.7 टन कोयला, 0.5 टन पुराना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है। इसके साथ ही इससे 2.3 घन मीटर लैंडफिल की आवश्यकता कम होती है। पानी की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बनडाई ऑक्साइड उत्सर्जन में भी 58 प्रतिशत कमी होती है।'

निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसआरएल्यू सीटीए ने. के उप प्रबंध निदेशक डा.विजय नौवाल ने कहा, ' भारत में अभी स्टील स्क्रैप की स्थिति नहीं आयी है। अभी इसेमाल हो रहे इस्पात को स्क्रैप करने (भंडार में डालने) में 20-25 साल का समय लगेगा।'

देश में स्क्रैप की उपलब्धता की कमी के कारण पुराना लोहा गला कर इस्पात बनाने वाली सेक्टोरी इस्पात इकायां भारी मात्रा में गलते गला लोहा स्क्रैप आयात करती हैं। उद्योग जगत की रणनीति अनुसार भारत में गलते के लिए सालाना करीब बारा दो करोड़ टन लोहे के स्क्रैप का आयात किया जाता है।

बरा ने कहा, 'भारत में रीसाइक्लिंग संगठनात्मक अक्षमताओं, प्रोत्साहन की किल्लियों, कर्मि अभावभूत संरचना और कर्मि सुविधा की कमी के कारण संभावनाओं के अनुसूच बड़ नहीं पा रहा है।' उन्होंने कहा कि भारत में रीसाइक्लिंग उद्योग को प्रोत्साहित किया जाए तो यह 2030 तक मकल धरेलु उत्पन्न में 11 प्रतिशत का योगदान कर सकता है और इस दौरान 14 लाख नरोडु रणवे की अतिरिक्त बचाव भी हो सकता है। बस गम होने के कारण इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की भी बड़ी संभावना है।

## BREAKING NEWS : NAC under UPA, Sonia Gandhi was launching ground for Na

India World Sports Business & Economy Science & Technology Features Entertainment

States  
Posted at: Aug 31 2018 2:59PM  
Share

## 12K visit MMMM 2018 12th edition

Kolkata, Aug 31 (UND) The twelfth edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India on any single location Industry specific exhibition. More than 525 exhibitors from 15 countries are participating in MMMM 2018. Good response was observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka and Gujarat.

Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said, 'Global leaders and captains of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international visitors. MMMM 2018 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5 per cent of the nation's GDP.'

He further added that apart from discussion on capacity expansion, NCLT, raw material challenges, anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING. Apart from sweating of assets through smart modernization, the cheaper and continuous supply of Recycle scrap can increase the EBIDTA of the companies substantially. Recycling of one ton of steel scrap saves 1.2 tons of iron ore, 0.7 tons of coal, 0.5 tons of limestone, 287 liters of fuel oil, 2.3 cubic meters of landfill and is achieved through 40 per cent less water and with 58 per cent avoided CO2 emissions. Bigger benefits arise as recycling value chain is typically more labour intensive as it can potentially generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes. In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.75 million people and contributes around 2 per cent to GDP. For India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around 14 lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of the annual GDP. The government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products. 'Ultimately consumer behavior and business practices are the key in transitioning to a circular economy,' he said.

The US scrap industry generated over 150,000 direct jobs and 323,000 indirect jobs, according to Institute of Scrap Recycling Industries (ISRI), USA. In China, the recycling industry created 1.5 million direct jobs and about 10 million indirect jobs.

According to a CPCB report, 91 per cent of solid waste was collected, of which, only 27 per cent was treated and the remaining 73 per cent was disposed at dump sites. A recent study indicates that India would need a landfill of 88 sq. km, nearly the size of Bengaluru, to dump all its waste by 2030. MMMM 2018, the largest event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials was held between August 29-31 at New Delhi.

UNI PL

## Recycling is New Mantra for long term metal sector growth; believe majority of steel participants

This is one of the highest in number in India in any single location Industry specific Exhibition. More than 525 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018.  
August 31, 2018 14:16 IST India Infoline News Service

12<sup>th</sup> edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India in any single location Industry specific Exhibition. **More than 525 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. Tremendous response is observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat.**

**On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI** said Global leaders and captains of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international Visitors in MMMM 2018. MMMM 2018 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5% of the nation's GDP. He further added that **apart from discussion on capacity expansion, NCLT, raw material challenges, Anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING. Apart from sweating of assets thru smart modernization, the cheaper and continuous supply of Recycle scrap can increase the EBIDTA of the companies substantially.** Recycling of one ton of steel scrap saves 1.2 tons of iron ore, 0.7 tons of coal, 0.5 tons of limestone, 287 liters of fuel oil, 2.3 cubic meters of landfill and is achieved through 40 per cent less water and with 58 per cent avoided CO2 emissions. Bigger benefits arise as recycling value chain is typically more labour intensive as it can potentially generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes. In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.75 million people and contributes around 2 per cent to GDP. For India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around Rs14-lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of our annual GDP. **The Government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products.** Ultimately consumer behavior and business practices are the key in transitioning to a circular economy.

MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at New Delhi, India is now the unchallenged single location platform where business buyers interacted with regard to steel, metals, coal, mineral, forging and hand tool items. MMMM 2018 witnessed more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe, which is more than the expectations of the organizers. Notable speakers at MMMM 2018 besides Minister of Steel wire CMD / CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, MINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel, Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard, Hindustan Copper Limited, etc.

# MEDIA COVERAGE

**bizXwires.com**  
Behind Exclusive News

Home Uncategorized International Business SEBI RIM Business news states

Home » 2018/08

Posts Tagged 'Sanjeev Batra'

## MMMM 2018 – Recycling again is the KEYWORD in Metal Industry as prices of raw material touching new high.

Published on 31 Aug, 2018 at 11:32 in International, Uncategorized | No Comments

New Delhi, August 31, 2018 :

12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India in any single location industry specific Exhibition. More than 525 exhibitors from 15...

(Continue reading)

Tagged with: [anti-dumping duty](#) [bureau of indian standard](#) [capacity expansion](#) [director ite](#) [industrial copper limited](#) [indian oil](#) [jsw steel](#) [mccom](#) [metals](#) [nucor](#) [nsl](#) [nsl](#) [rippet](#) [smtc](#) [paul wurth](#) [raw material challenges](#) [swi](#) [sanjeev batra](#) [jiso steel](#) [indian steel alliance](#) [tata steel](#)

## Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, to inaugurate MMMM 2018

Published on 27 Aug, 2018 at 13:00 in International, Investments, Press Release | No Comments

New Delhi 27th Aug, 2018

The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world shall be inaugurated by Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, at Pragati Maidan on August 29, 2018. Minister of Steel will also discuss the current challenges with Global leaders and captains...

(Continue reading)

Tagged with: [12th edition of minerals](#) [ceo & managing director](#) [chaudhary birender singh](#) [director ite](#) [economy regulators](#) [jarkhamil](#) [metallurgy & materials international exhibition](#) [metals](#) [ministry of coal and mines](#) [mmmm 2018](#) [odisha](#) [sanjeev batra](#) [shri tv narendran](#) [tata steel limited](#)

India 23 HOME NEWS CAREER YELLOW PAGES WEALTH DEALS TRAVEL

Google Chrome

## News

INDIA ASIA WORLD SPORTS BUSINESS SCI-TEC HEALTH ENTERTAINMENT HOLLYWOOD VIDEO FEED

12K visit MMMM 2018 12th edition

## 12K visit MMMM 2018 12th edition

Published on 31 Aug, 2018

The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India in any single location industry specific exhibition. More than 525 exhibitors from 15 countries are participating in MMMM 2018. Good response was observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Korea, Spain, UK & USA besides state-level participants from several rich states of Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Odisha. Mr. Sanjeev Batra, Director-ITEI, IITB, Director and captain of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international visitors. MMMM 2018 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5 per cent of the nation's GDP. He further added that apart from focussing on capacity expansion, R&D, raw material challenges, anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING. Apart from recycling of assets through smart modernization, the cheap and continuous supply of Recycle scrap can increase the ERODFA of the companies substantially. Recycling of one ton of steel scrap saves 1.2 tonne of iron ore, 0.7 tonne of coal, 0.5 tonne of limestone, 207 litres of fuel oil, 1.5 cubic metres of landfill soil is achieved through 40 per cent less water and with 50 per cent avoided CO2 emissions. Higher benefits also as recycling value chain is typically more labour intensive which can potentially generate 4-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes. In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.11 million people and contributes around 2 per cent to GDP. In India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around 14 billion rupee of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of the annual GDP. The government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to manage citizens favourably to consume smart and recycled products. Unsound consumer behavior and business practices are the key in transitioning to a circular economy, he said. The 12 scrap industry generated over 150,000 direct jobs and 525,000 indirect jobs, according to Institute of Scrap Recycling Industries (ISRI), USA. In China, the recycling industry created 1.2 million direct jobs and about 10 million indirect jobs. According to a CFCR report, 91 per cent of solid waste was collected, of which, only 37 per cent was treated and the remaining 73 per cent was disposed at dump sites. A recent study indicates that India would need a landfill of 36 sq. km, nearly the size of Bangalore, to dump all its waste by 2036.

www.bizxwires.com

HOME भात • अर • रात • प्रस वत • टेलीवी • शि • अरवीत • वत

Home / 2018 / अर • अर • रात • प्रस वत • टेलीवी • शि • अरवीत • वत

अर

## एमएमएमएम 2018 का प्रगति मैदान में हुआ आयोजन

जिन, धा, धा विन और सगी वी अंतराष्ट्रीय परदेनी और सलेन (एमएमएमएम 2018 ), के दुनिया के सबसे बड़े 12 वीं संस्करण में 12,000 बी2बी अगुओं द्वारा दौरा किया गया।

पहू विनी एक सन उद्योग विविध परदेनी में धात में सभी जगह संका में से एक है। 15 विविध देशों के 525 से अधिक परदेनी एमएमएमएम 2018 में भाग ले रहे हैं। जिन समूह राज - डारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और गुजरात से भारतीयों के अलावा, विदेशों से चीन, अमेरिका, जर्मनी, इटली, स्पेन, फ्रांस, ऑस्ट्रिया और यूएसए से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि दौरा कर रहे हैं।

एमएमएमएम 2018, इस्पात संकाय, सन संकाय, चुंबी विन संकाय, विदेश संकाय, अरविन और उद्योग संकाय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्योग संकाय और वैश्विक औद्योगिक अनुसंधान परिषद ( सीएमआई-एन ) के अलावा सभ, तपु और अथवा उद्योग संकाय द्वारा सार्वजनिक और सभ प्रगति है।

अरवीत/अर के विदेशक चीनी वत ने कहा एमएमएमएम 2018, जिन, धा, धा विन और सगी वत और प्रगति सार्वजनिक अधिकारित एमएमएम में है वत। वतार सरोवरों ने इस्पात, धा, अरवेत, जिन, अरविन और सभ अरवेत के बारे में सार्वजनिक की।

एमएमएमएम 2018 को 12000 से अधिक अरवीत अगुओं और 100 से अधिक विदेशियों और दुनिया के प्रगतिशील ने देखा है कि अरवीत/अर के वत में जगह है।

भारतीय इस्पात उद्योग के वैश्विक नेताओं और सचरानों ने सार्वजनिक अधिकारियों और अंतराष्ट्रीय अगुओं के साथ वीरुत दुर्घटियों पर भी सभ की।

एमएमएमएम 2018 ने भारतीय प्रगतिशीलता और अरविन/अर प्रगति पर विन-विनिर्ण करने के लिए उद्योग नेताओं के लिए प्रगति प्रदान किया जो उद्योग और धातु क्षेत्र की तेजी से वृद्धि और उद्योग के लिए सार्वजनिक करेगा। यह क्षेत्र देश के वीरुती वत 4.5 प्रतिशत वीरुत देता है।

**bizXwires.com**  
Behind Exclusive News

Home Uncategorized International Business SEBI RIM Business news states

Home » Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, inaugurates MMMM 2018

## Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, inaugurates MMMM 2018

Tagged with: [12th edition of](#)

[minerals](#) [austria](#) [china](#) [ceo & managing director](#) [chaudhary birender singh](#) [director ite](#) [economy regulators](#) [jarkhamil](#) [metallurgy & materials international exhibition](#) [metals](#) [ministry of coal and mines](#) [mmmm 2018](#) [odisha](#) [sanjeev batra](#) [shri tv narendran](#) [tata steel limited](#)

Sign up to see what you need to do

New Delhi, August 29, 2018 :

The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest of the world was inaugurated by Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, at Pragati Maidan today. The Minister also discussed the current challenges with Global leaders and captains of India Steel Industry during interactive session. He said Steel is second to oil and gas sector. He hoped such type of events will not only give better direction to industry for better business environment but also help industry / government in formulating policies.

Welcoming the guests / delegates, Mr. Sanjeev Batra, Director-ITEI said after a wait of 2 long years it gives opportunity immense pleasure to unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at New Delhi, India. He informed that MMMM 2018 might witness more than 12,000-13,000 trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. He advised that more than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in event. Globally, MMMM 18 have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Korea, Spain, UK & USA besides state-level participation from several rich states of Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka & Odisha. Trade delegations from 7 countries are also visiting MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel, Ministry of Mines, Ministry of Earth Sciences, Ministry of External Affairs, Ministry of Commerce & Industry, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

## METAL NETWORKS

HOME FEATURES PRODUCTS + TESTIMONIALS COMPANY CONTACT

## STEEL INDUSTRY HOPES GOVT WILL BRING CLEAR POLICY TO BOOST ECOSYSTEM

27 AUG 2018 News

View original post.

As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to ...



# MEDIA COVERAGE

**SPEED NEWS** | है प्लानिंग, वहां मिलेगी 1099 रूप्य के प्लान्ट की टिकट, 2 दिन है मौक़ा \* फोन की डेट

## रिसाइक्लिंग से पैदा होंगे रोजगार, कच्चे माल की परेशानी भी हो सकती है ख़तम

रिसाइक्लिंग उद्योग पैदा कर सकता है नौकरियाँ

Money Observer | 09 अगस्त | August 09, 2018 07:45 PM IST



**Multibagger Stocks 2018**

Claim Your Copy Of Multibagger Stock Ideas 2018  
Editor, Absolutely Free!

**OPEN**

Twitter | Facebook | Share



**नई दिल्ली** - कृषि, धनु, धनु विज्ञान और रसायनों की 12वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी (एमएमएमएम 2018) और सम्मेलन का 12,000 लोगों ने दौरा किया। इसमें 15 देशों के 525 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। खनिज खनन उद्योग, पब्लिक प्रशासन, उद्योग और युवाओं के आवाज यहां विदेशों से चीन, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जर्मनी, इटली, स्पेन, रूस, ब्रिटेन और यूएसए से इन्होंने भाग लिया है। आईटीआईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एमएमएमएम 2018 एक प्रतिष्ठित संघ है। जहां व्यापक तकनीकों से इस्पात, धनु, कोयले, खनिज, पेट्रोलियम के बारे में बातचीत की। एमएमएमएम 2018 को 12000 से अधिक व्यक्तियों पहुंचने और 100 से अधिक निदेशकों और दुनिया के प्रतिष्ठितों ने यहां का दौरा किया। यह देश के जीडीपी का 4.5 प्रतिशत योगदान देता है।

**रिसाइक्लिंग उद्योग पैदा कर सकता है नौकरियाँ**

संगठन राज्य अमेरिका के संघीय रिसाइक्लिंग इंस्टीट्यूट जॉन अर्द्धरसमरआई के अनुसार यूएसए में रोज़गार उद्योग से 2015 में 1,50,000 से अधिक परमाणु नौकरियों और 3,23,000 से ज्यादा उपकरण नौकरियाँ पैदा की हैं। वहीं, चीन में भी रिसाइक्लिंग उद्योग से 1.5 मिलियन परमाणु नौकरियों और लगभग 10 मिलियन उपकरण नौकरियाँ पैदा की हैं।

संगठन जिसकी बड़ी जगह साहित्य होगी कवचा केकाने के लिए

जीएटीआईआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2014-15 में टॉल कचरे का 91 प्रतिशत एकत्र किया गया था, जिसमें से केवल 27 प्रतिशत पर काम किया गया और शेष 73 प्रतिशत ढंप लार्डों पर भेज दिया गया। इसलिए अद्यतन से संकेत मिलता है कि भारत को 2050 तक अपने सभी कचरे को संग्रहीत करने के लिए बैलेंसिंग के अभाव के 88 करोड़ किलोमीटर के सेंट्रलिन की आवश्यकता होगी।

रिसाइक्लिंग अब एक संगठनात्मक अवधारणा, डिजिटल प्रेरणा, ऊर्जा अद्यतन संरचना, उत्पन्न विंग फेस को लेने के परतन कचरे हैं। अमेरिका और चीन की तरह, सरकार रिसाइक्लिंग उद्योगों का विश्व स्तर पर प्रोत्साहन में संघर्षित करने में सक्षम के लिए समर्थित राजनी रिसाइक्लिंग जॉन (एमएमएमएम) भी स्थिति कर सकता है।

**ZEE NEWS** | LIVE TV देश प्रेम दुनिया जिकरे छिल सिनाई विजया बरिबुज ठेठेठेठे डेव फोटे जिया विजय

## कचरा बनाएगा 'मालामाल', अगर देश में ही शुरू हो जाए रिसाइक्लिंग : रिपोर्ट

खनिज और धनु क्षेत्र के जनकरा ने देश में दुर्गम चतुर्को की रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए विशेष रिसाइक्लिंग जॉन की स्थापना का सुझाव दिया है



**नई दिल्ली** : खनिज और धनु क्षेत्र के जनकरा ने देश में पुराना धनुओं का रिसाइक्लिंग (पुरानी धनु को नौकरा कर नई सामग्री बनाने) को बढ़ावा देने के लिए विशेष रिसाइक्लिंग जॉन की स्थापना का सुझाव दिया है, उन्होंने इसे भविष्य में कच्चे माल, सामान और परिवहन की बढ़ती चुनौती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है, राजधानी के प्रगति मैदान में धनु, खनिज, सामग्री और धनु विज्ञान पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के कई जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी को देखते हुए धनु रिसाइक्लिंग उद्योग एक कारगर विकल्प हो सकता है, प्रदर्शनी की आखिरीक इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्सिबिजिडंस इंडिया (आईटीईआई) के विश्व निदेशक संजीव बत्रा ने कहा, 'कच्चे माल की कीमतें नई ऊंचाई पर चढ़ी हैं, ऐसे में भारत में रिसाइक्लिंग धनु उद्योग की सफलता के लिए एक नई कुंजी साबित हो सकता है.'

- ### ट्रेडिंग न्यूज़
1. जो कचरे को सचो है कचरापट्टी, या बड़े कचरे को या जालक बासा
  2. कचरा एक के लिएक एक के एक कचरे को या भी छोटा कचरे, कचरा, धुलाई का
  3. कचरे के साथ मिश्रण इन्फ़ोर्मेशन यूटिलिटी का रहा या कचरे कचरा, धनु कचरे
  4. विश्व निदेशक का म्याग्नेटिक, म्याग्नेटिक की लेक की या कचरे और कचरे का कचरे को सचो
  5. धनु में कचरे नौके के साथ सचो जॉन की कचरे से 82 करोड़ कचरे नई पूरा कचरा

भारत में अमेरिका और चीन की तरह रिसाइक्लिंग इकाइयों के लिए विशेष रूप से सामग्री रिसाइक्लिंग जॉन स्थापित किए जाने चाहिए। एमएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रिसाइक्लिंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है, बत्रा ने एक अधयन का हवाला देते हुए कहा कि, एक टन स्टील स्केप की रिसाइक्लिंग 1.2 टन तेल अथवा, 0.7 टन कोयला, 0.8 टन चूना पत्थर और 297 लीटर ईंधन तेल बचाती है, इसके साथ ही इससे 2.3 घन मीटर लैंडफिल से बचता है, पानी की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बनडाई ऑक्साइड उत्सर्जन में भी 58 प्रतिशत कमी होती है.'

निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता वेएसडब्ल्यू सटील लि, के उप प्रबंध निदेशक डा विनोद नोवाल ने कहा, 'भारत में अभी स्टील स्केप की स्थिति नहीं आई है, अभी इस्तेमाल हो रहे इस्पात को स्केप करने (भंगार में डालने) में 20-25 साल का समय लगेगा,' देवा में स्केप की उपलब्धता की कमी के कारण पुराना लोहा गला कर इस्पात बनाने वाली सेकेंड्री इस्पात इकाइयों भारी मात्रा में गलाने वाला लोहा स्केप आपात करती हैं, उद्योग जगत की सचो के अनुसार भारत में गलाने के लिए सालाना करीब सचा दो करोड़ टन लोहे के स्केप का आपात किया जाता है.

### Recycling in Metal industry on the rise

July 31, Aug 01, 2018

As the mineral and metal sector contributes 4.5 per cent of the nation's GDP, it should pave the way for speedy growth and advancement of the sector apart from recycling of assets through modernization and continuous supply of recycle scrap to help increase the FDI/FDI earnings before interest, tax, depreciation and amortisation of many companies. These views were discussed at the three day 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy and Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), from from 28 to 31 August and was visited by 12,000 plus B2B visitors. More than 625 exhibitors from 15 different countries have participated in MMMM 2018 among them were China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK USA besides state-level participants from several states of Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Addressing the concluding session of the three day meet here today, Sanjeev Batra, Director of the meet said, "Global leaders and captains of Indian Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international visitors during MMMM 2018. It also provided the necessary impetus for industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the way for speedy growth and advancement of the Mineral and metal sector." Underlining the importance of steel recycling study and recycling of raw materials of the sector through further modernization, Batra said recycling of one tonne of steel scrap saved 1.2 tonnes of iron ore, 0.7 tonnes of coal, 0.8 tonnes of limestone, 287 litres of fuel and 2.3 cubic metres of landfill. Bigger benefits could be achieved as recycling value chain will move labour intensive as it could generate 6-8 times more jobs than by landfilling or incineration activities of wastes, he said.

Stating that in India the metal recycling sector currently employed nearly 1.75 million people and contributed around 2 per cent to GDP, Batra said for the country recycling had the potential to create six times more jobs and generate around Rs 14-lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of India's annual GDP. Keeping this mind the Government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products, Batra said adding ultimately consumer behavior and business practices were the key in transitioning to a circular economy. Hindustan Samachar/Ankur/Shri Ram

### एमएमएमएम का उद्घाटन 29 को लखनऊ। मिनेरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी एण्ड मटीरियल की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण 29 अगस्त-2018 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होगा। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने बताया कि इस तीन दिवसीय एमएमएमएम एक्सपो-2018 का उद्घाटन केन्द्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिंद्रा सिंह करंगे, इसके साथ ही वह मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। उन्होंने उम्मीद जतायी कि एमएमएमएम एक्सपो-2018 में 12,000 से अधिक व्यापार आगंतुक और 1,000 विदेशी निवेशक दुनिया भर से प्रतिभाग करेंगे।